सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता ।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

www.kaushalkisangroup.com

उत्कृष्ट कृषि तंत्र तथा आदानो में अग्रणिय

- आई. एस. ओ. 9001–2015 प्रमाणित कम्पनी
- किसानों की उत्रति के लिए समर्पित
- विश्वस्तरीय आधुनिक प्रयोगशाला
- वैज्ञानिक तकनीकी द्वारा तैयार उत्पाद
- उचित मूल्य पर किसानों को सीधे आपूर्ति
- महत्वपूर्ण एवं पीढ़ी के जैविक उर्वरक, जैविक खाद, वनस्पति वृद्वि उत्तेजक, एवं सूक्ष्म पोषक तत्व

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD

www.kaushalkisangroup.com

MANGO

आम की किस्में

उन्नत किस्मों में दशहरी, लंगड़ा अंलफान्सों, सफेदा, तोतापुरी, आम्रपाली,चौसा, नीलम, मल्लिका, रत्ना इत्यादी

आम की उन्नत खेती

1. आम फलों का राजा कहाँ जाता है।
2. आम में फुल फरवरी से मार्च तक आते है व मई से अगस्त तक प्राप्त होते है।
3. आम के पौधे लगाने का सही समय फरवरी–मार्च व जुलाई–अगस्त है।
4. आम उष्ण और उपोष्ण जलवायु का फल है।

आम लगाने का तरीका व सावधानिया

1. आम के लिए सभी प्रकार की भूमि उपयुक्त होती है। लेकिन गहरी दोमट मिट्टी सही होती है।
2. भुमि का पी.एच. 5.5–7.5 तक होना चाहिए।
3. आम के पौधे कि रोगग्रस्त व सूखी शाखा को समय–समय पर काट दे।
4. आम के वृक्ष 10 मीटर के अन्तर में लगायें जाते है।
5. सायंकाल के समय पौधा लगाना उचित रहता है।
6. पौधा रोपण के पश्चात तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

आम की खेती

आम एक प्रकार का रसीला फल होता है। इसे भारत में फलों का राजा भी बोलते हैं। इसकी मूल प्रजाति को भारतीय आम कहते हैं, जिसका वैज्ञानिक नाम *मेंगीफेरा इंडिका* है। आमों की प्रजाति को *मेंगीफेरा* कहा जाता है। इस फल की प्रजाति पहले केवल भारतीय उपमहाद्वीप में मिलती थी, इसके बाद धीरे धीरे अन्य देशों में फैलने लगी। इसका सबसे अधिक उत्पादन भारत में होता है।
यह भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस में राष्ट्रीय फल माना जाता है
और बांग्लादेश में इसके पेड़ को राष्ट्रीय पेड़ का दर्जा प्राप्त है।

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

जलवायु :

आम ऊष्ण व उपोष्ण दोनों जलवायु में उगायन जाने वाला पौधा है | समुद्र तल से 1000 ऊंचाई तक पर्वतीय इलाकों में इसकी खेती सफतापूर्वक की जाती है | आम के पौधे के समुचित विकास फलने फूलने के लिए न्यूनतम 4 से 5 ० C व अधिकतम 44०C तापमान उपयुक्त होता है | औसतन आम की बागवानी के लिए 23.8 ०C से 26.6०C तापमान आदर्श माना जाता है |

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

आम की खेती के लिए भूमि :

आम की फसल को लगभग हर प्रकार की खेती में उगाया जा सकता है | आम के पौधों की अच्छी बढवार व फलमे फूलने की दृष्टि से उचित जल निहास वाली दोमट मिटटी उपयुक्त होती है | आम की खेती के लिए मिटटी का पीएच 5.5 से 7.5 होना चाहिए | काली व भारी भूमि आम की खेती के लिए उपयुक्त नहीं होती | आम के पौधों का ऐसी भूमि में उचित विकास नहीं हो पाता | आम की बागवानी जलोढ़ तथा लैटराइट मिटटी में भी उगाया जाता है | काली मृदा आम के लिए उत्तम मृदा है |

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

आम की उन्नत किस्में :

एकलभ्रूणी किस्में – इन किस्मों के बीजों में एक ही भ्रूण पाया जाता है –बम्बई, दशहरी, लंगड़ा, चौसा, आदि |

बहुभ्रूणी किस्में – इन किस्मों के बीज में एक से अधिक भ्रूण पाए जाते हैं –चन्द्राकिरण, बेलारी, ओलूर, बापकाई

आम की काटकर खायी जाने वाली किस्में – मलिक, अल्फैन्सो, आम्रपाली, लंगड़ा, दशहरी, नीलम, चौसा, आदि |

चूसकर खायी जाने वाली किस्में – मिठवा, लखनऊ सफेदा, बिगरोन, गाजीपुर, शरबती, रसपुनिया,आदि |

अगेती किस्में – (जून के द्वितीय सप्ताह से जुलाई के द्वितीय सप्ताह तक) – अल्फैन्सो, गोपालभोग, गुलाबखास, बेम्बई हरा, बम्बई पीला, स्वर्णरेखा, हिमसागर आदि |

आम की मध्यमी किस्में – (जुलाई के द्वितीय सप्ताह से अगस्त के द्वितीय सप्ताह तक) – कृष्णभोग, लंगड़ा, जाफरानी, दशेहरी, फजरी,आदि |

पछेती किस्में – (अगस्त के द्वितीय सप्ताह के बाद पकने वाली) – कचन, नीलम, मोतिया, मनपसद, तैमूरिया, चौसा,

आम की दक्षिण भारत में उगाई जाने वाली किस्में – तोतापरी, नीलम, रेड स्माल, वलगेरा आदि |

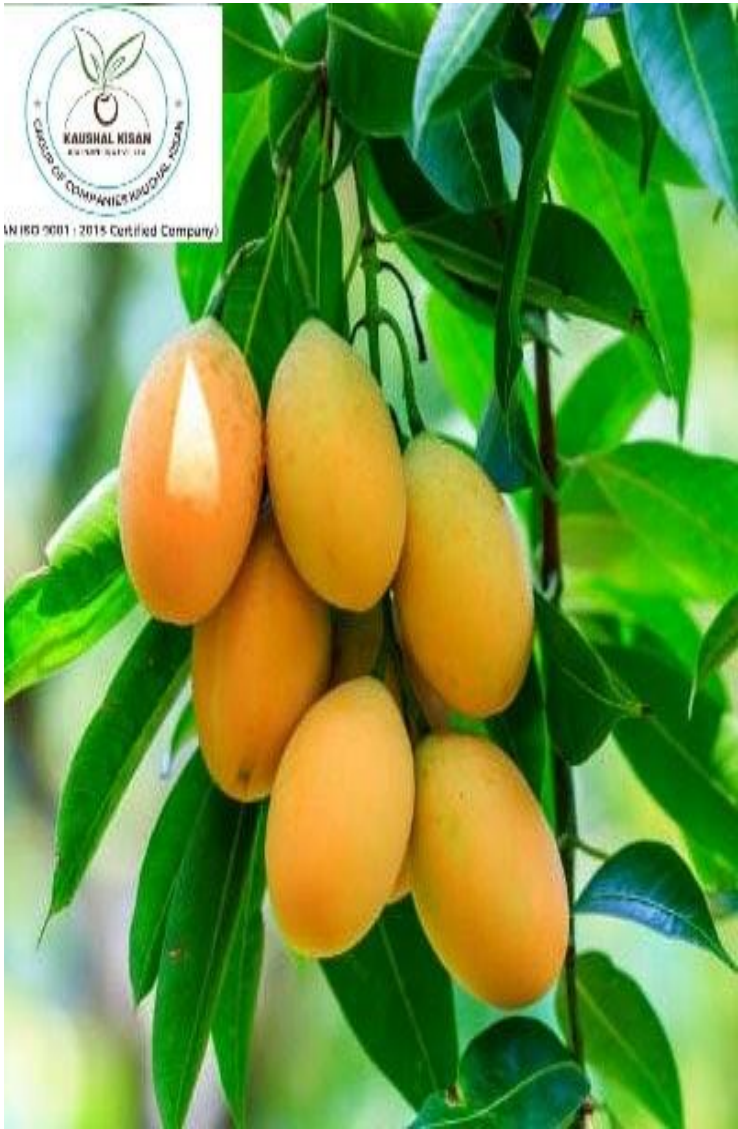

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

आम का प्रवर्धन :

आम के प्रवर्धन की दो विधियाँ हैं –
बीज द्वारा व
वानस्पतिक भागों के द्वारा
बीज द्वारा : इस विधि में आवश्यकता के हिसाब के लंबाई व चौड़ाई वाली क्यारियाँ बना लेते हैं | क्यारियों की ऊंचाई सतह से 15-20 सेंटीमीटर रखते हैं | अब आम के फलों से गुठलियों को अलग करने के बाद,क्यारियों में 3 से 4 सेंटीमीटर गहराई पर बो देते हैं | दो से तीस सप्ताह बाद बीज उग आते हैं | इन नये पौधों को रोग व कीटों से बचाते हुए 4 – 5 सप्ताह पौधशाला में लगा देते हैं | पौधशाला में लगाने के करीब 18-24 माह में ये पौध लगाने योग्य हो जाते हैं |

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

वानस्पतिक विधि द्वारा बीज का प्रवर्धन

बीज से तैयार किये गये पौधों में मातृ वृक्ष के समान वास्तविक गुण नही आ पाते हैं ऐसे में मातृ वृक्ष के समान तैयार पौधे में गुणों की अभिव्यक्ति के लिये वानस्पतिक भागों द्वारा प्रवर्धन किया जाता है |

वानस्पतिक भागों से प्रवर्धन की विधियाँ –

1 – कलम बांधना (grafting)– कलम विधि से वानस्पतिक भागों द्वारा आम का प्रवर्धन चार तरीके से किया जाता है –

1. भेंट कलम द्वारा(inarching)
2. गुठली भेंट द्वारा(stone)
3. मृदु शाख कलम द्वारा(soft wood grafting)
4. विनियर चढ़ाना (veneer grafting)

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

2- चश्मा चढ़ाना(budding) – चश्मा चढाने की विधि से वानस्पतिक भागों का प्रवर्धन दो विधियाँ हैं –

1- टी चश्मा चढ़ाना (T – budding)

2- फारकर्ट चश्मा चढ़ाना (T – forkert budding)

3 गूटी बाँधना (air layering)

4 ठूंठ प्ररोह दाब लगाना (stooling)

आम का वानस्पतिक भागों द्वारा प्रवर्धन अधिकतर विनियर भेंट कलम व भेंट कलम के द्वारा ही किया जाता है |

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

आम के पौधे में खाद व उर्वरक

आम के पौधें में किसान भाई फास्फोरस की पूरी मात्रा दिसंबर में दें तथा नाइट्रोजन की मात्रा की दो खुराक क्रमश: जनवरी व मार्च माह में दें | किसान आम के फलों की तुड़ाई के बाद नाइट्रोजन की मात्रा जड़ों के पास – निराई – गुड़ाई कर दें जिससे फलों की गुणवता पर अच्छा प्रभाव पड़ता है | आम के पौधों पर बोरान की कमी होने पर महीने में 15 दिन के अंदर पर दो बार बोरेक्स अथवा सुहागा का छिड़काव करें | आम के पौधों पर शीघ्र फूल व फल आयें इसके लिए माह जुलाई व अगस्त में 5 से 10 ग्राम पाली ब्यूट्राजोल की मात्रा किसान भाई हर पौधें में डालें |

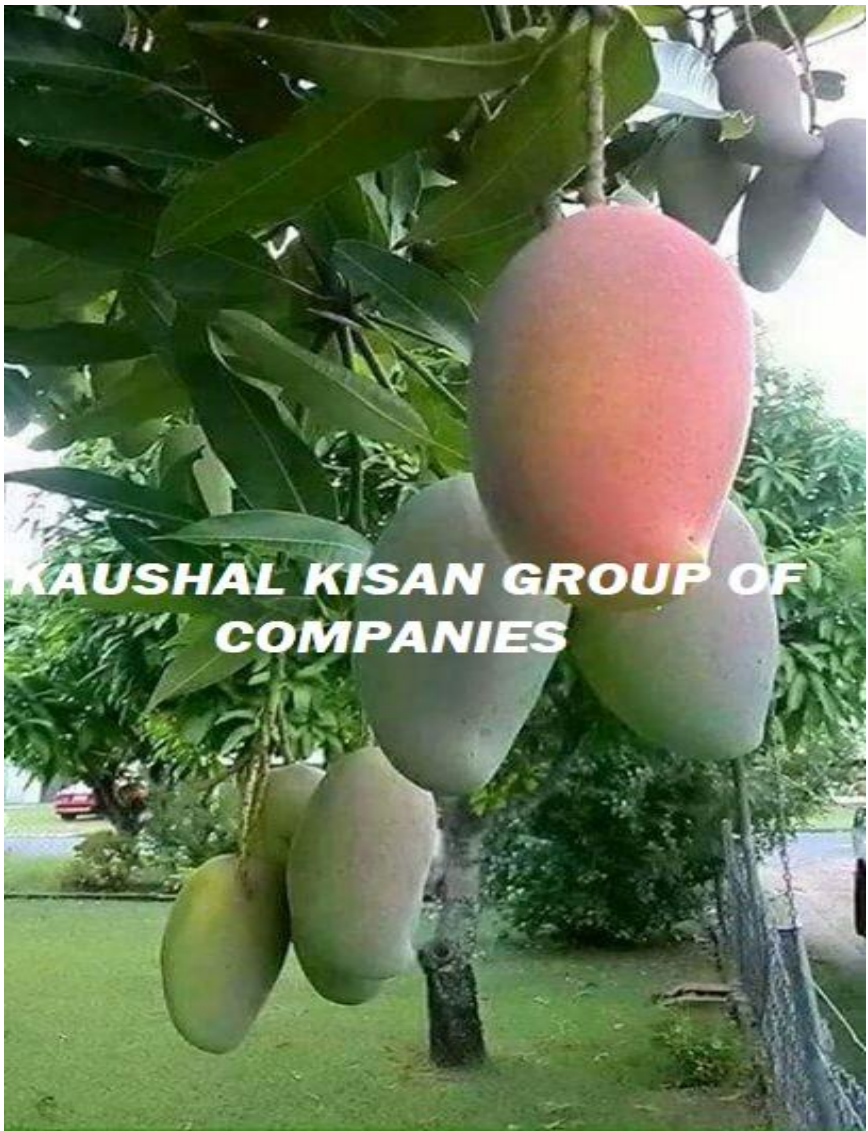

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

- **आम के पौधों में सिंचाई व जल निकास प्रबन्धन –**
- आम के पौधों पर सिंचाई जलवायु व भूमि के प्रकार पर निर्भर करती है वैसे आम के बड़े पौधों में कुंड विधि से सिंचाई करनी चाहिए | दिसम्बर-जनवरी में 20-26 के अंतर पर,मार्च से जून के बीच नियमित रूप से 12-से 15 दिन के अंतर पर करनी चाहिए |
- **आम के पौधों में निराई व गुड़ाई –**
- आम के पौधों के समुचित विकास व वृद्धि के लिए साल में कम से कम दो बार थालों की सफाई व गुड़ाई जुताई करनी चाहिए |

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

➢पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

➢क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।

➢ २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

➢किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

➢किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,
Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com